हीरापुरा पावर हाउस पर जबरन बस शिफ्टिंग के विरोध में प्रदेशव्यापी चक्का जाम

बस ऑपरेटर्स का आरोप - हीरापुरा में न तो पार्किंग, न वेटिंग एरिया और न ही पर्याप्त यात्री सुविधाएँ

- हीरापुरा पावर हाउस पर प्राइवेट स्लीपर बसों को जबरन स्थानांतरित करने के विरोध में प्रदेशभर की सभी बस यूनियनों के सहयोग से यह चक्का जाम किया
- परिवहन विभाग ने गैर कानूनी तरीके से खड़ी बसों का चालान कर हीरापुरा बस स्टैंड से इनका संचालन शुरु करने के लिए मजबूर करने का प्रयास किया

जयपुर। राजस्थान की राजधानी जयपुर में हीरापुरा बस स्टैंड से बस संचालन शुरू होने से पहले ही इसका विरोध शुरु हो गया और आल राजस्थान कॉन्ट्रैक्ट कैरिज बस ऑपरेटर्स एसोसिएशन जयपुर की शनिवार को हड़ताल करने की घोषणा के बाद इन बसों का प्रदेशव्यापी चक्का जाम हो गया।

आल राजस्थान कांट्रेक्ट कैरिज बस ऑपरेटर्स एसोसिएशन जयपुर के अध्यक्ष राजेंद्र शर्मा ने मीडिया को इसकी जानकारी देते हुए बताया कि हीरापुरा पावर हाउस (कमला नेहरू नगर) पर प्राइवेट बसों के जबरन स्थानांतरण के विरोध में राजस्थान स्तर पर चक्का जाम किया गया हैं। शर्मा ने बताया कि हीरापुरा पावर हाउस पर प्राइवेट स्लीपर बसों को जबरन स्थानांतरित करने के विरोध में प्रदेशभर की सभी बस यूनियनों के सहयोग से यह चक्का जाम किया गया।

उन्होंने बताया कि आरटीओ प्रशासन की ओर से एक अगस्त से सिंधी कैंप बस स्टैंड से अजमेर रूट की सभी प्राइवेट और रोडवेज बसों को हीरापुरा शिफ्ट करने के आदेश के विरोध में एक हजार से ज्यादा स्लीपर और प्राइवेट बस ऑपरेटरों ने हड़ताल शुरू कर दी है। उन्होंने बताया कि इन सभी संगठनों ने स्पष्ट कर दिया है कि वे हीरापुरा से बसें नहीं चलाएंगे।

उन्होंने बताया कि इन बसों का संचालन हीरापुरा से नहीं करने पर परिवहन विभाग ने गैर कानूनी तरीके से खड़ी बसों का चालान कर हीरापुरा बस स्टैंड से इनका संचालन शुरु करने के लिए मजबूर करने का प्रयास किया गया। उन्होंने बताया कि करीब एक हजार बसों का चालान किया गया हैं जो न्यायसंगत नहीं हैं। उन्होंने बताया कि एक अगस्त तक का भी इंतजार नहीं किया गया और इससे पहले ही निजी बसों का संचालन हीरापुरा से शुरु करने का दबाव बनाने के लिए परिवहन विभाग ने इन बसों पर चालान काटने के रुप में दमनकारी नीति अपनाकर हड़ताल पर जाने को मजबूर कर दिया गया।

उन्होंने बताया कि जब तक उनकी मांग पर सकारात्मक कदम नहीं उठाया जाता है तब तक यह हड़ताल जारी रहेगी। उन्होंने बताया कि इस हड़ताल के तहत जयपुर से संचालित आने जाने वाली एक हजार बसों का संचालन बंद कर दिया गया हैं। आल राजस्थान कॉन्ट्रैक्ट कैरिज बस ऑपरेटर्स एसोसिएशन जयपुर के महामंत्री प्रवीण अग्रवाल ने बताया कि सिंधी कैंप से हीरापुरा की दूरी ज़्यादा होने से यात्रियों को काफी असुविधा होगी। इसके अलावा हीरापुरा में पर्याप्त इंफ्रास्ट्रक्चर, वेटिंग एरिया, पार्किंग और यात्रियों के बैठने तक की सुविधा नहीं है वहीं रात में पब्लिक ट्रांसपोर्ट की सुविधा भी नहीं है। साथ ही ओला-उबर वाले एक हजार तक वसूली करेंगे। इतना तो बस किराया नहीं होता। वहीं किसी महिला यात्री के साथ छेड़छाड़ और अनहोनी हो गई तो इसका जिम्मेदार कौन होगा।

बस ऑपरेटर्स का कहना है कि परिवहन विभाग की यह कार्यवाही एकतरफा और बिना वैकल्पिक व्यवस्था के की जा रही है। इस निर्णय में व्यवहारिकता और संवाद की पूरी तरह अनदेखी की गई है। निजी बसों की हड़ताल से आम यात्रियों को परेशानी उठानी पड़ रही है। इसके अलावा रविवार को होने वाली लाइब्रेरियन परीक्षा के 80 हजार अभ्यर्थियों के सामने संकट खड़ा हो गया है वहीं रोडवेज की मात्र 3050 बसें पूरे प्रदेश में चल रही हैं जो यात्री भार उठाने के लिए नाकाफी है।

राज्यसभा सांसद एवं भाजपा प्रदेश अध्यक्ष मदन राठौड़ को प्रतिष्ठित 'संसद रत्न अवार्ड' मिला

- राज्यसभा की ओवरऑल कैटेगरी में प्रभावशाली योगदान और सक्रिय भूमिका के लिए सांसद मदन राठौड़ को दिया गया संसद रत्न अवार्ड

जयपुर। देश की संसदीय प्रणाली को सशक्त बनाने में विशिष्ट योगदान देने वाले राज्यसभा सांसद मदन राठौड़ को इस वर्ष का ''संसद रत्न अवार्ड'' प्रदान किया गया है। यह सम्मान उन्हें संसद में उनके उत्कृष्ट कार्य, जनहित के मुद्दों पर सक्रियता और विधायी योगदान के लिए दिया गया। ''संसद रत्न अवार्ड'' देश की लोकतांत्रिक व्यवस्था में उत्कृष्ट संसदीय प्रदर्शन को मान्यता देने के उद्देश्य से प्रदान किया जाता है।

केंद्रीय संसदीय कार्य मंत्री किरेन रिजिजू (बीच में) ने मदन राठौड़ (बांये) को सम्मानित किया ।

यह पुरस्कार प्रतिष्ठित पार्लियामेंट्री रिसर्च संस्था प्राइम पॉइंट फाउंडेशन द्वारा स्थापित किया गया है और भारत के पूर्व राष्ट्रपति डॉ. ए.पी.जे. अब्दुल कलाम के आशीर्वाद से प्रारंभ किया गया था। राज्यसभा सांसद मदन राठौड़ ने संसद के सत्रों में लगातार उपस्थिति, प्रभावशाली बहसों, प्रश्नों और जनहित याचिकाओं के माध्यम से अपनी सक्रिय भूमिका निभाई है। उन्होंने विभिन्न सामाजिक एवं विकासात्मक मुद्दों को संसद में उठाया, जिससे आम जन की समस्याओं को राष्ट्रीय मंच मिला।

पुरस्कार वितरण समारोह का आयोजन नई दिल्ली के न्यू महाराष्ट्र सदन में आयोजित किया गया। केंद्रीय संसदीय कार्य मंत्री किरेन रिजिजू राज्यसभा सांसद मदन राठौड़ को यह पुरस्कार प्रदान किया। इसमें देश भर के वरिष्ठ सांसद, नीति निर्माता, सामाजिक कार्यकर्ता एवं मीडिया प्रतिनिधि उपस्थित रहे।

सांसद मदन राठौड़ ने कहा, यह सम्मान प्रदेश की जनता की सेवा का परिणाम है। मैं सदैव जनहित और राष्ट्रहित में कार्य करता रहूंगा। यह पुरस्कार मुझे और अधिक जिम्मेदारी से कार्य करने की प्रेरणा देता है।

पूर्व सैनिकों तक पहुंचेगी निशुल्क विधिक सहायता

जयपुर। राष्ट्रीय विधि सेवा प्राधिकरण की ओर से पूर्व सैनिकों, सेवानिवृत्त सैन्यकर्मियों और उनके परिजनों को निशुल्क व सुलभ विधिक सहायता मुहैया कराने के लिए वीर परिवार सहायता योजना-2025 की शुरुआत की गई है। योजना को लेकर राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण की ओर से से राज्य सैनिक बोर्ड, जयपुर में भी विधिक सेवा क्लिनिक का शुभारंभ किया गया।

प्राधिकरण के सदस्य सचिव हरिओम अत्री ने बताया की योजना के तहत प्राधिकरण की ओर से प्रदेश के प्रत्येक जिले में जिला सैनिक बोर्ड के परिसर में विशेष विधिक सहायता क्लिनिक स्थापित किए जाएंगे। इसके माध्यम से पूर्व सैनिकों और उनके परिजनों को न्याय की पहुंच सुनिश्चित हो सकेगी। इस मौके पर प्राधिकरण के कार्यकारी अध्यक्ष जस्टिस संजीव प्रकाश शर्मा ने कहा कि प्राधिकरण सैन्य कर्मियों और उनके परिवार के निरंतर सहयोगी रहेंगे।

तीज के अवसर पर यातायात व्यवस्था में बदलाव किया

जयपुर। प्रतिवर्ष की भांति इस वर्ष भी दिनांक 27 व 28 जुलाई की शाम 6 बजे तीज माता की सवारी निकाली जायेगी। जिसके चलते 27 व 28 जुल को यातायात व्यवस्था निम्न प्रकार से रहेगी।

तीज माता की सवारी के दौरान सामान्य यातायात पुराना पुलिस मुख्यालय के पीछे व जलेब चौक में से होकर सिटी पैलेस की तरफ नहीं आ सकेगा। तीज माता की सवारी के दौरान सामान्य यातायात आतिश मार्केट व सार्दुल सिंह की नाल की तरफ से किसी भी प्रकार के वाहन सिटी पैलेस की तरफ नहीं आ जा सकेगें, तीज माता की सवारी के दौरान सामान्य यातायात चीनी की बुर्ज की तरफ से किसी भी प्रकार का ट्रैफिक आतिश बाजार तथा सिटी पैलेस की तरफ नहीं आ सकेगा।

तीज माता की सवारी के दौरान रामनिवास बाग चौराहा, न्यूगेट चौराहा से चौडा रास्ता में जाने वाले सामान्य यातायात को डायवर्ट कर समानान्तर मार्गो से संचालित किया जायेगा, तीज माता की सवारी त्रिपोलिया की तरफ आने वाले सामान्य यातायात को बडी चौपड से डायवर्ट कर समानान्तर मार्गो से संचालित किया जायेगा। तीज माता की सवारी त्रिपोलिया से निकलने के बाद चौडा रास्ता से आने चाले सामान्य यातायात को त्रिपोलिया से बडी चौपड की तरफ डायवर्ट किया जाएगा। तीज माता की सवारी त्रिपोलिया गेट से बाहर आने से पूर्व छोटी चौपड से त्रिपोलिया की तरफ आने वाले सामान्य यातायात को छोटी चौपड से डायवर्ट कर समानान्तर मार्गो से संचालित किया जायेगा।

संजय सर्किल, चौगान चौराहा से छोटी चौपड की तरफ आने वाले सामान्य यातायात को डायवर्ट कर समानान्तर मार्गो से संचालित किया जायेगा, तीज माता की सवारी चौगान चौराहा पर आने से पूर्व बारह भाईयों का चौराहा, लंगर के बालाजी, ब्रह्मपुरी बस स्टैण्ड से चौगान चौराहा की तरफ आने वाले सामान्य यातायात को डायवर्ट कर समानान्तर मार्गो से संचालित किया जायेगा।

लाखों रुपए के गहने चुराये

जयपुर। जालूपुरा थाना इलाके में एक ज्वेलरी की दुकान में ग्राहक बनकर आया बदमाश नजर बचाकर लाखों रुपए कीमत के गहने चुरा ले गया। दुकान में लगे सीसीटीवी फुटेज में शातिर चोर की करतूत कैद मिली। पुलिस फुटेज के आधार पर चोर की तलाश कर रही है।

थानाधिकारी हवा सिंह ने बताया कि एमआई रोड स्थित जेएसआर ज्वेलरी दुकान में चोरी की वारदात हुई है। जहां शुक्रवार की दोपहर ज्वेलर का बेटा दुकान पर बैठा था। इस दौरान खरीदारी करने के बहाने एक व्यक्ति ग्राहक बनकर दुकान पर आया। सोने ज्वेलरी दिखाने के लिए कहा। बैग में रखी ज्वेलरी काउंटर पर रखकर दिखाई। ज्वेलरी दिखाने के दौरान बातों में उलझाकर शातिर बदमाश ने नजर बचाकर पैकेट में रखी ज्वेलरी चोरी कर ली। कुछ समय बाद पसंद नहीं आने की कहकर दुकान से चला गया। देर शाम ज्वेलरी काउंटिंग के दौरान सोने की 3 चीन, 4 मंगलसूत्र और 2 ईयर रिंग कम मिले।

जस्टिस शर्मा रालसा के कार्यकारी अध्यक्ष मनोनीत

जयपुर। राज्य सरकार ने राजस्थान हाईकोर्ट के वरिष्ठतम न्यायाधीश संजीव प्रकाश शर्मा को राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण का कार्यकारी अध्यक्ष मनोनीत किया है।

वे अपनी सेवानिवृत्ति तक इस पद पर बने रहेंगे। विधि विभाग ने सीजे केआर श्रीराम से परामर्श के बाद जस्टिस शर्मा का मनोनयन किया है।

राजस्थान आवासन मण्डल निशुल्क बांटेगा 54 हज़ार पौधे

जयपुर। राज्य सरकार द्वारा पर्यावरण संरक्षण और हरित क्षेत्र के विस्तार की दिशा में सतत रूप से कार्य किया जा रहा है। मुख्यमंत्री भजन लाल शर्मा के मार्गदर्शन में हरियाली तीज के उपलक्ष्य पर पूरे प्रदेश में वनमहोत्सव मनाया जा रहा है जिसमें विभिन्न विभागों द्वारा रविवार को विशेष पौधारोपण एवं पौधा वितरण किया जाएगा। इस अवसर पर राजस्थान आवासन मण्डल भी राज्यभर में पौधरोपण और पौध वितरण का एक भव्य कार्यक्रम आयोजित कर रहा है। पर्यावरण संरक्षण और जनजागरूकता को समर्पित इस अभियान के अंतर्गत मण्डल के 26 खण्ड कार्यालयों से कुल 54,600 पौधे निशुल्क वितरित किए जाएंगे, जिससे आमजन को प्रकृति से जुड़ने का सशक्त अवसर मिलेगा।

इस विशेष अवसर पर जयपुर में भी पौध वितरण एवं वृक्षारोपण कार्यक्रम का आयोजन रविवार सुबह 8 बजे से सिटी पार्क, मानसरोवर में किया जाएगा। इस आयोजन में आमजन, स्थानीय निवासियों, स्कूली बच्चों, सामाजिक संगठनों और हाउसिंग बोर्ड के अधिकारियों की सक्रिय भागीदारी रहेगी। कार्यक्रम का उद्देश्य केवल पौधे बांटना नहीं, बल्कि पर्यावरण के प्रति लोगों की सोच में स्थायी परिवर्तन लाना है। आवासन मण्डल सभी से यह अपील करता है कि वे अपने नजदीकी डिवीजनल कार्यालय से पौधा प्राप्त कर राज्य सरकार द्वारा चलाई गई इस हरित पहल का हिस्सा बनें और आने वाली पीढ़ियों के लिए एक प्रेरणादायक उदाहरण प्रस्तुत करें।

सघन वृक्षारोपण एवं पौधों का निशुल्क वितरण किया

जयपुर। मालवीय नगर विकास महासमिति द्वारा पर्यावरण संरक्षण को बढ़ावा देने तथा नागरिकों को वृक्षारोपण के प्रति जागरूक करने के लिए मालवीय नगर के बिभिन्न सेकटर पार्कों एवं सार्वजनिक स्थानों पर 100 फल एवं छायादार पौधे लगाये गये तथा 200 से अधिक छोटे एवं बड़े पौधों का निशुल्क वितरण किया गया। महासमिति के अध्यक्ष आर बी अग्रवाल ने बताया कि मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के प्रेरणादायी नेतृत्व में संकल्प से सिद्धि की ओर बढ़ते हुए प्रदेश ने 'हरियालो राजस्थान वृक्षारोपण महाभियान' के रूप में एक नयी हरित क्रांति का सूत्रपात किया है। कार्यक्रम के अतिथि महासमिति के मुख्य संरक्षक महेन्द्र कुमार हल्दिया एवं हरीश गुप्ता तथा क्षेत्रीय पार्षद राम प्रसाद शर्मा ने कम से कम एक पौधा प्रत्येक नागरिक को लगाने का संदेश दिया और वृक्षारोपण के महत्व पर प्रकाश डाला। राज्य महिला आयोग की पूर्व अध्यक्ष सुमन शर्मा ने जनहित के इस कार्य को सराहनीय बताया।

मालवीय नगर के बिभिन्न सेकटर पार्कों एवं सार्वजनिक स्थानों पर 100 फल एवं छायादार पौधे लगाये।

सामाजिक कार्यकर्त्ता बाबूलाल गुप्ता ने बताया कि कार्यक्रम में विभिन्न समितियों से पधारे हुए जन प्रतिनिधियों ने पोधे ले जाकर अपने अपने श्रेत्र में पौधारोपण कर इनकी देखभाल का संकल्प लिया।

कार्यक्रम के प्रारंभ में राजेन्द्र कुमार गुप्ता, इन्द्र मोहन अग्रवाल, उमा गोतम, सुधीर गुप्ता, जुगल किशोर अग्रवाल ने स्लोगन, गाने एवं कविताओं के माध्यम से वृक्षारोपण एवं पर्यावरण संरक्षण को वर्षा, आक्सीजन एवं प्राणियों के जीवन के लिए उपयोगी बताया। महासमिति के महामंत्री सतीश चंद गुप्ता, वरिष्ठ उपाध्यक्ष नन्द किशोर स्वर्णकार, सचिव मुरारी लाल गुप्ता, अनिल सकसेना, एल एन कुमावत, गोतम शर्मा ने अतिथियों का स्वागत किया एवं पार्क में पौधारोपण के साथ पोधे वितरित भी किये।

इस अवसर पर देवेन्द्र खन्ना, मोहन लाल चावला, तेज करण पाराशर अरुण माथुर, आर सी कटारा, पी डी अरोड़ा, बाबू लाल गुप्ता, सुदर्शन सिंह शेखावत, रजनीश अग्रवाल, राजेश खंडेलवाल, सुरेन्द्र बिन्दल, युधिष्ठिर लाल शर्मा सतीश कुमार जैन, आर के व्यास एवं अन्य सदस्य उपस्थित रहे।

राजस्थान की बिखरी और उपेक्षित धरोहरों को संरक्षण दिलाने की पहल

- केंद्रीय मंत्री गजेन्द्र सिंह शेखावत ने मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा को लिखा पत्र

जयपुर। राजस्थान की पारंपरिक छतरियों, बावड़ियों, देवलियों और अन्य ऐतिहासिक स्मारकों को राजस्व रिकॉर्ड में विधिवत दर्ज कर कानूनी संरक्षण देने की मांग को लेकर सेव ऑवर हेरिटेज फाउंडेशन की ओर से उठाए गए प्रस्ताव को केंद्रीय संस्कृति एवं पर्यटन मंत्री गजेन्द्र सिंह शेखावत ने गंभीरता से लेते हुए मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा को पत्र लिखा है।

फाउंडेशन की इस मांग को लेकर 21 जुलाई को संस्था के चेयरमैन अरिहंत सिंह चरड़ास ने मंत्री शेखावत को पत्र भेजा था। इससे पूर्व 22 जून को हुई एक ऑनलाइन बैठक में संगठन के संयोजक हुकम सिंह पड़ासला ने यह मुद्दा मंत्री के समक्ष रखा था, जिस पर मंत्री शेखावत ने सकारात्मक रुख अपनाते हुए राज्य सरकार को प्रस्ताव भेजने का सुझाव दिया था।

फाउंडेशन ने अपने पत्र में बताया कि संवत 2012 (वर्ष 1955) के भूमि सेटलमेंट में राजस्थान के विभिन्न जिलों में स्थित अनेक धरोहरें-जैसे छतरियां, बावड़ियां, देवलियां आदि-सामान्य खातेदारी भूमि के अंतर्गत दर्ज हो गईं, जिससे उनके संरक्षण में व्यावधान उत्पन्न हो गया है। कानूनी दर्जे के अभाव में इन स्थलों पर अतिक्रमण, क्षरण और अवैध निर्माण की घटनाएं लगातार बढ़ती जा रही हैं।

इसी सन्दर्भ में केंद्रीय मंत्री गजेन्द्र सिंह शेखावत ने 25 जुलाई को मुख्यमंत्री को भेजे पत्र में आग्रह किया है कि इन धरोहर स्थलों को संवत 2012 से पूर्व की स्थिति के अनुसार राजस्व रिकॉर्ड में दर्ज करने हेतु आवश्यक कार्यवाही की जाए। पत्र में कहा गया है कि यह राजस्थान की सांस्कृतिक विरासत को संरक्षित करने की दिशा में एक महत्त्वपूर्ण कदम होगा।

अरिहंत सिंह चरड़ास ने उम्मीद जताई है कि केंद्र व राज्य स्तर पर समन्वय बनाकर राजस्थान की बिखरी और उपेक्षित धरोहरों को राजस्व अभिलेखों में स्थान दिलाया जाएगा, जिससे भविष्य की पीढ़ियों को इन विरासतों का गौरवशाली इतिहास देखने और समझने का अवसर मिल सके।

आयोग ने स्कूल की छत गिरने की घटना पर लिया संज्ञान

जयपुर । राष्ट्रीय अनुसूचित जनजाति आयोग ने झालावाड़ जिले के पीपलोदी गांव की राजकीय उच्च प्राथमिक विद्यालय की छत गिरने की घटना पर स्वतः संज्ञान लेते हुए राजस्थान सरकार के मुख्य सचिव, जिला कलेक्टर एवं पुलिस अधीक्षक झालावाड़ को शनिवार को नोटिस जारी कर तीन दिन में पूरे मामले की जांच एवं प्रशासन द्वारा की गई कार्रवाई की रिपोर्ट मांगी है।

आयोग ने प्रेस तथा इलेक्ट्रोनिक मीडिया में प्रकाशित समाचार, जिसमें राजस्थान के झालावाड़ जिले के मनोहरथाना ब्लॉक के पिपलोदी सरकारी स्कूल के भवन का एक हिस्सा गिरने से सात बच्चों की मृत्यु होने एवं नौ बच्चों के गंभीर रूप से घायल होने तथा कई बच्चों के मलबे में दबकर घायल होने से संबन्धित समाचार का स्वतः संज्ञान लिया है। इसमें कई बच्चे कथित रूप से अनुसूचित जनजाति एवं अनुसूचित जाति वर्ग के हैं।

आयोग ने इस घटना को अत्यंत गंभीरता से लिया है और इस संबंध में नोटिस जारी कर तीन दिन में पूरे मामले की जांच एवं प्रशासन द्वारा की गई कार्रवाई की रिपोर्ट मांगी है।

डोटासरा ने सांसदों एवं विधायकों से सरकारी स्कूल भवनों की मरम्मत के लिए आगे आने की अपील की

जयपुर । राजस्थान में झालावाड़ जिले में पीपलोदी गांव में सरकारी स्कूल की छत गिर जाने की हृदयविदारक घटना के बाद कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष गोविन्द सिंह डोटासरा ने प्रदेश के सभी सांसदों एवं विधायकों से राजनीति से ऊपर उठकर जनता के प्रति जनप्रतिनिधि की जवाबदेही का दायित्व निभाते हुए जीर्ण-शीर्ण सरकारी स्कूलों के भवन एवं अन्य जन उपयोगी भवन की मरम्मत एवं उन्हें ठीक कराने के लिए आगे आने की अपील की है ताकि भविष्य में ऐसी घटना की पुनरावृत्ति न हो। डोटासरा ने शनिवार को इस संबंध में एक पत्र लिखकर प्रदेश के सांसद एवं विधायक जनप्रतिनिधियों से यह अपील की। उन्होंने कहा ''यह वक्त पक्ष-विपक्ष का नहीं, जवाबदेही का है। आइए.. हम सब राजनीति से ऊपर उठकर जनता के प्रति जनप्रतिनिधि की जवाबदेही का दायित्व निभाएं और संवेदना से संकल्प का प्रण दोहराएं ताकि फिर किसी स्कूल से चीखें ना आएं, फिर किसी मां की गोद सूनी ना हो, फिर किसी परिवार का चिराग ना बुझे, फिर झालावाड़ जैसे हादसों की पुनरावृत्ति ना हो' उन्होंने अपील करते हुए कहा कि समस्त सांसद एवं विधायक जनप्रतिनिधि अपने संसदीय एवं विधानसभा क्षेत्रों में संसद सदस्य स्थानीय क्षेत्र विकास योजना (एमपीलैड) एवं विधानसभा सदस्य स्थानीय क्षेत्र विकास योजना (एमएलएलैड) से जर्जर स्कूल के भवनों, आंगनवाड़ी केन्द्रों एवं जन उपयोगी भवनों की प्राथमिकता से मरम्मत और सुदृढ़ीकरण के लिए आवश्यकता अनुसार राशि स्वीकृत कराने के लिए आगे आना चाहिए।

उन्होंने पत्र में लिखा कि पीपलोदी गांव की घटना हृदयविदारक है और भविष्य में ऐसी घटना की पुनरावृत्ति न हो। इसलिए हम सभी का दायित्व बनता है कि हम सब लोकसभा एवं विधानसभा क्षेत्र के विभिन्न गांवों एवं कस्बों में स्थित शासकीय विद्यालय भवन, आंगनबाड़ी केंद्र तथा अन्य जनउपयोगी भवन जो वर्तमान में अत्यंत जीर्ण-शीर्ण अवस्था में है।

मोटर साईकिल चोरी करने वाले गिरोह का पर्दाफाश

जयपुर। अशोक थाना पुलिस ने शातिर वाहन चोर गिरोह का पर्दाफाश करते हुए शातिर वाहन चोर को गिरफ्तार कर उसके कब्जे से चार चोरी की मोटर साईकिलें बरामद की है। पुलिस न गिरफ्तार आरोपी से अन्य वाहन चोरी की वारदातों को लेकर गहनता से पूछताछ करने में जुटी है।

- आरोपी के कब्जे से चोरी की चार मोटरसाईकिल बरामद

पुलिस उपायुक्त जयपुर दक्षिण राजर्षि राज ने बताया कि 1 अप्रेल 2023 को परिवादी मुकेश चौधरी किरण बिहार,त्रिवेणी नगर निवासी ने मामला दर्ज कराया था कि उसने अपनी अपनी मोटरसाईकिल सुदर्शनपुरा ,22 गोदाम पर खड़ी थी। जिसे कोई अज्ञात चोर चुरा ले गया। मामला दर्ज कर पुलिस ने विशेष टीम की मदद से तेलीपाडा, बापू बाजार निवासी शाहरुख उर्फ बकरी (26) पुत्र नियाज अहमद को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस ने आरोपी के कब्जे से चार चोरी की मोटरसाईकिल बरामद की है।

परिवहन निरीक्षक सुजानाराम चौधरी के 7 ठिकानों पर एसीबी का छापा

2.5 करोड़ (201 फीसदी) की संपत्ति अपनी वैध आय से अधिक अर्जित की

- एसीबी ने आय से अधिक संपत्ति के तहत मामला दर्ज किया

जयपुर/ जालोर। राजस्थान के सिरोही जिले में कार्यरत परिवहन निरीक्षक सुजानाराम चौधरी एक बार फिर भ्रष्टाचार के गंभीर आरोपों के घेरे में हैं। राज्य के भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो (एसीबी) ने आय से अधिक संपत्ति अर्जित करने के मामले में आज सुबह माउंट आबू, जोधपुर, भीनमाल और सिरोही के सात ठिकानों पर एक साथ छापेमारी की कार्रवाई को अंजाम दिया।

एसीबी महानिदेशक स्मिता श्रीवास्तव ने बताया कि ब्यूरो को एक गोपनीय शिकायत प्राप्त हुई थी, जिसमें आरोप था कि परिवहन निरीक्षक सुजानाराम चौधरी ने वाहन पंजीकरण, लाइसेंस जारी करने, गुजरात बॉर्डर पर अवैध वसूली और वाहन निरीक्षण जैसी सेवाओं के बदले नियमित रूप से रिश्वत लेकर, अपनी और अपने परिजनों के नाम पर अपार चल-अचल संपत्तियां अर्जित की हैं। इन संपत्तियों का मूल्य करोड़ों रुपये बताया गया।

एसीबी ब्यूरो की इंटेलिजेंस शाखा ने जब इस शिकायत की गोपनीय तरीके से जांच की, तो चौधरी द्वारा माउंट आबू, जोधपुर, सिरोही और भीनमाल में रिहायशी व व्यावसायिक भूखंड, मकान और कोठियों की जानकारी सामने आई। इसके बाद तथ्यों का दस्तावेजी संकलन हुआ और जांच में यह सामने आया कि आरोपी ने लगभग 2.5 करोड़ (201 फीसदी) की संपत्ति अपनी वैध आय से कहीं अधिक अर्जित की है। इसके आधार पर एसीबी ने आय से अधिक संपत्ति के तहत मामला दर्ज कर, जयपुर के उप महानिरीक्षक अनिल कयाल के सुपरविजन में, पाली-द्वितीय के अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक खींव सिंह के नेतृत्व में एक दर्जन से अधिक टीमों के साथ आज सुबह एक साथ छापे मारे।

वहीं एसीबीको छापामारी की कार्यवाही से सुजाना राम के भीनमाल में आलीशान8000 वर्ग फीट में निर्मित शानदार कोठी, महंगे इंटीरियर के साथ 21 ब्रांडेड एसी, हाई-एंड फ्रिज, टीवी और लग्जरी फर्नीचर व संपत्ति का मूल्य कई करोड़ रुपये, तकनीकी विशेषज्ञ द्वारा मूल्यांकन जारी।

वही जोधपुर में पॉश लोकेशन आशापूर्णा सिटी, पाल गांव जैसी प्रीमियम कॉलोनी में एक और आलीशान कोठी।एसीबी की टीमों द्वारा तलाशी अभियान अभी भी जारी है। जांच पूरी होने के बाद सुजानाराम चौधरी पर अदालत में आरोप पत्र दाखिल किया जाएगा। साथ ही, उनके द्वारा अर्जित की गई अवैध संपत्तियों को जब्त करने की प्रक्रिया भी शुरू की जाएगी।

रिटायर महिला व्याख्याता को बकाया भुगतान के आदेश

जयपुर। राजस्थान हाईकोर्ट ने हनुमानगढ़ की पीजी कॉलेज से रिटायर महिला व्याख्याता को उसका जनवरी 2016 से जुलाई 2019 तक का बकाया वेतन और समस्त सेवानिवृत्त परिलाभ तीन माह में अदा करने को कहा है। जस्टिस सुदेश बंसल ने यह आदेश कृष्णा जैन की याचिका पर सुनवाई करते हुए दिए।

अदालत ने कहा कि एक बार जब राज्य सरकार ने कॉलेज का अधिग्रहण कर लिया तो उस संस्था के समस्त दायित्वों की जिम्मेदारी भी राज्य सरकार की ही मानी जाएगी। यदि राज्य सरकार यह मानती है कि कॉलेज का अधिग्रहण साल 2020 में हुआ था तब भी 70 फीसदी देनदारी राज्य सरकार की बनती है और वह शेष तीस फीसदी कॉलेज की प्रबंध समिति से वसूल सकती है।

याचिका में अधिवक्ता सार्थक रस्तोगी ने अदालत को बताया कि याचिकाकर्ता हनुमानगढ के अनुदानित कॉलेज में राजनीति विज्ञान के व्याख्याता के तौर पर साल 1983 में नियुक्त हुई थी। उस समय वह अनुदानित कॉलेज था और राज्य सरकार से 70 फीसदी अनुदान प्राप्त करता था। वहीं साल 2013 में कॉलेज को राज्य सरकार ने अधिगृहित कर लिया।

25 हजार का इनामी तस्कर सागर धाकड़ गिरफ्तार

जयपुर । पुलिस महानिदेशक राजीव कुमार शर्मा के निर्देशन में एंटी गैंगस्टर टास्क फोर्स ने एक बड़ी कार्रवाई को अंजाम देते हुए भीलवाड़ा पुलिस द्वारा 8 अगस्त 2024 को मांडल में जब्त किए गए भारी मात्रा में डोडा चूरा के मामले से जुड़े 25 हजार के इनामी तस्कर सागर धाकड़ को गिरफ्तार कर लिया है। सागर धाकड़ करीब एक साल से फरार था और गिरफ्तारी से बचने के लिए लगातार अपनी लोकेशन बदल रहा था। आखिरकार एजीटीएफ की विशेष टीम के हत्थे चढ़ गया।

एंटी गैंगस्टर टास्क फोर्स ने डोडा चूरा के मामले से जुड़े 25 हजार के इनामी तस्कर सागर धाकड़ को गिरफ्तार किया।

अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक एंटी गैंगस्टर टास्क फोर्स दिनेश एमएन ने बताया कि गत वर्ष 8 अगस्त को मांडल पुलिस थाना क्षेत्र में पुलिस ने एक क्रेटा कार से 81.400 किलोग्राम अफीम डोडा चूरा जब्त किया था। इस कार्रवाई में मौके से गंगानगर निवासी सुखभाल सिंह और प्रकट सिंह नामक दो आरोपियों को गिरफ्तार किया गया था। पुलिस की शुरुआती जाँच में यह बात सामने आई कि यह मादक पदार्थ एक बड़े तस्करी नेटवर्क का हिस्सा है और इसमें सागर धाकड़ की भूमिका भी संदिग्ध पाई गई। धाकड़ पर आरोप था कि वह नागौर जिले में कई स्थानीय तस्करों को बेंगू थाना क्षेत्र से डोडा चूरा की सप्लाई करता था।

एडीजी एमएन ने बताया कि सागर धाकड़ बेहद शातिर अपराधी था। वह अपने पास कोई मोबाइल नहीं रखता था और घर के बजाय अधिकतर दूर खेतों में ही सोता था, ताकि पुलिस की पकड़ में न आ सके। एजीटीएफ की टीम अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक सिद्धांत शर्मा के सुपरविजन में पिछले करीब दो महीने से सागर की तलाश में जुटी थी।

पुलिस निरीक्षक राम सिंह नाथावत के नेतृत्व में गठित टीम सदस्य कांस्टेबल गोपाल धाबाई व विजय सिंह को सटीक सूचना मिली कि सागर धाकड़ भीलवाड़ा के मांडलगढ़ इलाके में लाड़पुरा चौराहे के पास अपने किसी साथी का इंतजार कर रहा है। सूचना पर टीम ने तुरंत कार्रवाई की।